

टूर संदर्भ
LK5JT2GDQX

शानदार सीलोन (13 दिन)

13 दिन · 12 रातें | ड्राइवर-गाइड के साथ निजी टूर

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

इस अनुभव के बारे में

यह 13 दिवसीय दौरा श्रीलंका के क्लासिक सर्किट की पूरी लंबाई में चलता है, पश्चिमी तट से सांस्कृतिक त्रिकोण के प्राचीन शहरों के माध्यम से, पहाड़ी क्षेत्र में, दक्षिण-पूर्वी वन्यजीव पार्कों तक नीचे और दक्षिण तट के साथ कोलंबो में समाप्त होने से पहले। यह एक आसान गति से चलता है, अधिकांश क्षेत्रों में दो या अधिक रातें बिताई जाती हैं, और पुरातात्विक स्थलों, मंदिरों, चाय के देश, दो राष्ट्रीय उद्यान सफारी और तटीय और नदी गतिविधियों को जोड़ता है।

यात्रियों को द्वीप द्वारा प्रदान किए जाने वाले व्यापक नमूने मिलते हैं न कि किसी एक विषय में गहरी खोज: अनुराधापुर और पोलोन्नारुवा जैसे खंडहर शहर, कैंडी में दांत मंदिर, एला और हापुतले के चारों ओर लंबी पैदल यात्रा और दृश्य, याला और मिन्नेरिया में तेंदुए और हाथी सफारी, और बेंटोटा के चारों ओर समुद्र तट और नदी का समय कोलंबो में अंतिम रात से पहले। यह परिवारों और किसी के लिए भी उपयुक्त है जो एक ही यात्रा में देश के परिदृश्य और इतिहास की पूरी श्रृंखला चाहते हैं।

निजी वाहन परिवहन पूरे समय चलता है, एक चालक गाइड के साथ जो साइटों के बीच ड्राइव करता है और पूरे दौर की लंबाई के लिए समूह के साथ रहता है।



दिन-दर-दिन यात्रा कार्यक्रम

दिन 1 हवाई अड्डा → नेगोंबो

यह यात्रा पश्चिमी तट पर स्थित नेगोंबो से शुरू होती है, जो अपने सदियों पुराने मछली पकड़ने के उद्योग के लिए प्रसिद्ध एक समुद्र तटीय शहर है।



नेगोंबो समुद्र तट

नेगोंबो के रेतीले समुद्र तटों पर समय बिताएं और सदियों पुराने मछली पकड़ने के उद्योग को काम करते देखें। रोमांच बढ़ाने के लिए यहां मज़ेदार जल क्रीड़ाएं भी उपलब्ध हैं।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

डाइविंग और जलपोत अवशेष

प्रवाल भित्तियों और जलीय जीवन के बीच गोता लगाएं, जिसमें तट के पास डूबा एक 50 साल पुराना जहाज़ भी शामिल है, जो अब कई प्रकार की मछलियों का घर बन चुका है।

दिन 2 नेगोंबो → यापहुवा → अनुराधापुर

यह मार्ग सांस्कृतिक त्रिकोण की ओर अंतर्देशीय जाता है, जहां 13वीं सदी के एक शैल दुर्ग पर रुकते हुए श्रीलंका में बौद्ध धर्म के जन्मस्थान अनुराधापुर पहुंचा जाता है।

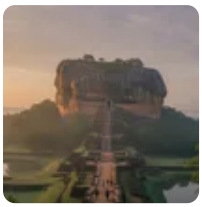

यापहुवा

यह शैल दुर्ग 13वीं सदी में सरकार की राजधानी रहा था और कभी यहां दंत धातु मंदिर भी स्थित था। यहां की अलंकृत प्रवेश सीढ़ियां और मेहराब देखें, शिखर पर बने खंडहरों और छतों पर टहलें, और पूरे स्थल में बिखरी बारीक नक्काशीदार मूर्तियों को देखना न भूलें।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



मिहिंतले

उस स्थान पर जाएं जहां राजा देवानामपियतिस्स की भेंट भिक्षु महिंद से हुई थी—वह मुलाकात जिसने श्रीलंका में बौद्ध धर्म की नींव रखी। पर्वत की तलहटी में मठ के खंडहर, महिंद के निवास की गुफा, और अंबस्थल दागोबा तथा महा स्तूप जैसे ऐतिहासिक स्तूप देखें।

Dennis Sylvester Hurd · CC0

दिन 3 अनुराधापुर

10वीं सदी ईस्वी तक एक हज़ार वर्षों से अधिक समय तक श्रीलंका की राजधानी रहे अनुराधापुर के खंडहरों की खोज में पूरा दिन बिताएं।

अनुराधापुर के खंडहर

इस विशाल प्राचीन नगर में फैले हुए पगोडा, मठों की इमारतों और तालाबों के बीच टहलें। प्रमुख स्थलों में जेतवनाराम शामिल है, जो कभी प्राचीन विश्व की सबसे ऊंची इमारतों में से एक था, साथ ही श्री महाबोधि और विशाल अभयगिरि मठ के खंडहर भी हैं।

दिन 4 अनुराधापुर → पोलोन्नरुवा

श्रीलंका की दूसरी प्राचीन राजधानी पोलोन्नरुवा के बाद, हाथियों की खोज में एक सफारी की जाती है।

पोलोन्नरुवा के खंडहर

10वीं से 13वीं सदी ईस्वी के बीच फले-फूले इस नगर के खंडहरों में टहलें। यहां की प्रमुख इमारतों में गल विहार, वाटादगे, कमल स्नानकुंड, लंकातिलक मंदिर और राजा पराक्रमबाहु की प्रतिमा शामिल है, जिनके शासनकाल को पोलोन्नरुवा का स्वर्णिम युग माना जाता है।



मिनेरिया राष्ट्रीय उद्यान सफारी

मिनेरिया राष्ट्रीय उद्यान में सफारी सवारी करें, जहां मई से अक्टूबर के शुष्क मौसम में महान हाथी सम्मेलन के दौरान एक ही स्थान पर 150 से अधिक हाथी एकत्र हो सकते हैं। यह उद्यान अपनी झाड़ीदार भूमि और वनों में अन्य स्तनधारियों, पक्षियों, सरीसृपों और उभयचरों का भी घर है।

Stuart Pinkney · CC BY 2.0

दिन 5 पोलोन्नरुवा → दांबुला → मातले → कैंडी

इस दिन पहली सदी ईसा पूर्व की एक गुफा मंदिर की यात्रा के साथ-साथ कैंडी जाते समय मातले के पास एक मसाला उद्यान का भ्रमण भी शामिल है।



दांबुला गुफा मंदिर

पहली सदी ईसा पूर्व के स्वर्ण मंदिर दांबुला की गुफाओं में प्रवेश करें और भगवान गौतम बुद्ध के जीवन को दर्शाने वाले प्राचीन भित्तिचित्रों के साथ-साथ पांच मुख्य गुफाओं—जिनमें दिव्य राजा की गुफा और महान राजा की गुफा शामिल हैं—में बुद्ध और अन्य देवताओं की सैकड़ों प्रतिमाएं देखें। गुफा परिसर से थोड़ी दूरी पर स्वर्णिम बुद्ध की एक विशाल प्रतिमा स्थित है।

Lankapic · CC BY 2.5

यूफोरिया मसाला एवं जड़ी-बूटी उद्यान

श्रीलंका की मसाला राजधानी मातले के पास स्थित इस उद्यान में सुगंधित उष्णकटिबंधीय छायादार पेड़ों के बीच मसाले और जड़ी-बूटियां उगाई जाती हैं, जहां की जलवायु इनके मूल गुणों को सुरक्षित रखती है। एक निर्देशित मसाला भ्रमण में पौधों और आयुर्वेद के उपयोगों के बारे में बताया जाता है, जिसकी व्याख्या कई भाषाओं में उपलब्ध होती है।

दिन 6 कैंडी → नुवारा एलिया

कैंडी के पवित्र बौद्ध मंदिर और एक चाय बागान की यात्रा के बाद पर्वतीय नगर नुवारा एलिया की चढ़ाई होती है।



दंत धातु मंदिर

16वीं सदी में निर्मित यह यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल भगवान बुद्ध के पवित्र दांत के अवशेष को सुरक्षित रखने के लिए बनाया गया था। लाल, मलाईदार और काले रंगों से रंगे गलियारों और सभाकक्षों में टहलें, जहां नक्काशीदार स्तंभ और स्वर्णिम प्रतिमाएं मौजूद हैं।

A.Savin · FAL

चाय फैक्ट्री और बागान

एक कार्यरत चाय फैक्ट्री और बागान में देखें कि सीलोन चाय कैसे बनाई जाती है। चाय को सबसे पहले 1824 में चीन से सीलोन लाया गया और पेराडेनिया के शाही वनस्पति उद्यान में रोपा गया; बाद में 1852 से वाणिज्यिक खेती की शुरुआत हुई जब ब्रिटिश बसने वाले जेम्स टेलर ने कैंडी के निकट लूलेकोंडेरा बागान में इसकी स्थापना की।



नुवारा एलिया नगर

19वीं और 20वीं सदी के आरंभ में ब्रिटिशों का प्रमुख पर्वतीय अवकाश स्थल रहा नुवारा एलिया आज भी अपनी सड़कों पर कॉटेज, सुंदर विला और हवेलियों को संजोए हुए है। पुराने लाल ईंटों से बने डाकघर को देखें, और क्वीन विक्टोरिया पार्क या लेक ग्रेगरी के किनारे आराम करें।

Abdul malik77 · CC BY-SA 4.0

दिन 7 नुवारा एलिया

नुवारा एलिया के निकट स्थित पर्वतीय घास के मैदानों वाले संरक्षित क्षेत्र, हॉर्टन प्लेन्स राष्ट्रीय उद्यान में एक पूरा दिन बिताएं।



हॉर्टन प्लेन्स राष्ट्रीय उद्यान

पर्वतीय घास के मैदानों और बादल वनों से होते हुए वर्ल्ड्स एंड की चट्टान के किनारे और बेकर्स फॉल्स की फुहार तक टहलें। यहां के मैदानों में कई स्थानिक प्रजातियां पाई जाती हैं और यहां से पुरातात्विक खोजें भी हुई हैं।

Faslan at en.wikipedia · CC BY-SA 3.0

दिन 8 नुवारा एलिया → एल्ला → हपुताले → याला

पर्वतीय क्षेत्र का मनोरम दृश्य एल्ला और हपुताले से होते हुए जारी रहता है, और दिन याला के पास समाप्त होता है।



लिटिल एडम्स पीक

एल्ला के पास चमकीले हरे चाय बागानों और चट्टानी इलाकों से होते हुए टहलें, जहां से लिटिल एडम्स पीक के मनोरम दृश्य दिखाई देते हैं।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं



नाइन आर्चेस ब्रिज

इस पुल के निर्माण की कहानी सुनते हुए इस पर टहलें, फिर अपनी अनोखी लूप-ओवर ट्रैक डिज़ाइन वाले डेमोडारा रेलवे स्टेशन की ओर बढ़ें।

Deitel55 · CC BY-SA 3.0



लिप्टन्स सीट

हपुताले के निकट स्थित श्रीलंका के सबसे प्रसिद्ध दृश्यावलोकन स्थलों में से एक, जहां से उवा, सबरागमुवा, मध्य और पूर्वी प्रांतों के विहंगम दृश्य दिखाई देते हैं।

Kapidis (talk). The original uploader was Kapidis at English Wikipedia. · CC BY-SA 3.0

अदिशम बंगला

1900 के दशक की शुरुआत में बनी एक ट्यूडर शैली की हवेली, जो आगंतुकों के लिए अपने प्रांगण में टहलने हेतु खुली है।

सेंट एंड्रयूज चर्च

हपुताले में स्थित एक नव-गॉथिक चर्च, जिसके कब्रिस्तान में कई ब्रिटिश चाय बागान मालिकों को अंतिम विश्राम स्थान मिला है।

दिन 9 याला

दक्षिण-पूर्वी तट पर स्थित याला राष्ट्रीय उद्यान में एक सफारी दिवस।



याला राष्ट्रीय उद्यान सफारी

याला द्वीप का दूसरा सबसे बड़ा राष्ट्रीय उद्यान है, जो श्रीलंकाई तेंदुओं, जंगली जल भैंसों, श्रीलंकाई भालुओं और हाथियों के बड़े झुंडों के लिए प्रसिद्ध है, साथ ही यहां कई अन्य स्तनधारी, पक्षी, सरीसृप, उभयचर, मछलियां और अकशेरुकी जीव भी पाए जाते हैं।

Ranmith Welikala · CC BY-SA 4.0

दिन 10 याला → गाले → बेंतोता

यह मार्ग दक्षिणी तट की ओर बढ़ता है, जहां बेंतोता जाते समय पुराने किलेबंद नगर गाले और एक कछुआ संरक्षण परियोजना का भ्रमण किया जाता है।



गाले किला

कभी पुर्तगालियों और डचों का मुख्यालय रहे इस क्षेत्र की सैर करें, जिसका केंद्र गाले किला है—एशिया के सबसे सुरक्षित किलेबंदियों में से एक। समुद्री संग्रहालय, गाले राष्ट्रीय संग्रहालय और प्रकाश स्तंभ देखें, और डच नामों वाली पथरीली गलियों में टहलें।

Rovin Shanila · CC BY-SA 4.0



कोसगोडा कछुआ हैचरी

जानें श्रीलंका के तटों पर अंडे देने वाली पांच लुप्तप्राय समुद्री कछुआ प्रजातियों के बारे में और कैसे कोसगोडा कछुआ देखभाल कार्यक्रम बच्चों के जीवित रहने की दर बढ़ाने के लिए अंडों की रक्षा करता है। आगंतुक बच्चे कछुओं को देख, छू और खिला सकते हैं, और देखभाल में रखे गए घायल वयस्क कछुओं से भी मिल सकते हैं।

AI द्वारा निर्मित छवि · वास्तविक तस्वीर नहीं

दिन 11 बेंतोता → बालापितिया → बेंतोता

मडू नदी पर नौका भ्रमण में पूरा दिन बीतता है, साथ ही प्रसिद्ध मछली मालिश के लिए भी रुका जाता है।



मडू नदी नौका सवारी

नदी के मैंग्रोव मार्गों से होकर यात्रा करें, धूप सेंकते मगरमच्छों और जल मॉनिटरों के साथ-साथ जलीय पक्षियों को भी देखें। मार्ग में एक छोटे द्वीप पर रुकना शामिल है, जहां निवासी दालचीनी की खेती करते हैं।

SUPindia · CC BY-SA 4.0

मछली मालिश

नदी भ्रमण के दौरान मछली मालिश के स्फूर्तिदायक गुणों का आनंद लें।

दिन 12 बेंतोता → कोलंबो

यह यात्रा अपने तटीय चरण का समापन राजधानी कोलंबो में एक दिन बिताकर करती है, जहां इसके ऐतिहासिक और व्यावसायिक दोनों पहलुओं को देखा जाता है।



कोलंबो नगर दर्शन

पुराना प्रकाश स्तंभ, पुरानी संसद, गाले फेस होटल, गाले फेस ग्रीन, गंगाराम मंदिर और राष्ट्रीय संग्रहालय जैसे ऐतिहासिक स्मारकों का भ्रमण करें। इंडिपेंडेंस स्क्वायर की दुकानों, रेस कोर्स, और विभिन्न बुटीक तथा डिज़ाइनर स्टोरों के लिए भी समय उपलब्ध है।

Gihanud2001 · CC0

दिन 13 कोलंबो → हवाई अड्डा

नाश्ते के बाद, चेक आउट करें और प्रस्थान के लिए हवाई अड्डे की ओर रवाना हों, जिसके साथ यह यात्रा समाप्त होती है।

क्या शामिल है

शामिल है

- Transport in a Private Vehicle, inclusive of all chauffeur accommodation.
- Service of an English-Speaking Chauffeur Guide throughout the tour.
- All prevailing taxes and service charges.

शामिल नहीं है

- Hotel Accommodation.
- Entry Visa Fees
- International / Domestic Airfare.
- Any expenses of personal nature.
- Entrance fees to the respective sites.